Date
20/05/2020

Subject - Social studies
Topic - Unemployment

D.El.Ed
4 th sem

बेरोजगारी

"बेरोजगारी वह स्थिति है जो व्यक्ति कार्य करने के लिए योग्य तथा तत्पर होते हुए भी काम पाने मे असफलता प्राप्त होती है, जो उसे कार्य या जीविका प्रदान करता है।"

बेरोजगारी के घटक / कारक :-

(i) उच्च जनसंख्या वृद्धि दर (ii) आर्थिक विकास की अपर्याप्त दर
(iii) कृषि के अतिरिक्त अन्य क्रियाओं मे रोजगार के अवसरो का अभाव
(iv) कृषि के अनुरूप मौसमी रोजगार
(v) संयुक्त परिवार प्रणाली (vi) उद्योगो का धीमा विकास
(vii) अनुपयुक्त तकनीक (viii) भारतीय वि०वि० से बढ़ती स्नातकों की सं०

भारत मे बेरोजगारी के प्रकार

(1) ऐच्छिक बेरोजगारी (2) अनैच्छिक बेरोजगारी
(3) संरचनात्मक बेरोजगारी (4) अल्परोजगार
(5) छिपी हुई बेरोजगारी (6) शिक्षित बेरोजगारी
(7) मौसमी बेरोजगारी (8) शहरी एवं ग्रामीण दोनो ही क्षेत्रो मे युवाओं के मध्य बेरोजगारी

Scanned with CamScanner

बेरोजगारी के कारण :-

(1) दोषपूर्ण शैक्षिक ढांचा (2) प्राकृतिक व पूँजीगत संसाधनो की अपर्याप्तता
(3) इन्टिरट से ग्रस्त सामाजिक ढांचा,

बेरोजगारी दूर करने के उपाय :-

1) लघु एवं कुटीर उद्योगो का विकास बड़ी मात्रा मे करना चाहिए।
2) इनसे उत्पादित वस्तुओ की खरीद की गारंटी सरकार को देनी चाहिए।
3) बेरोजगार युवको को प्रशिक्षित कर सरकार को उनके व्यवसाय के लिए धन उपलब्ध कराना चाहिए।
4) अच्छी शिक्षा प्रणाली का प्रयोग करें एवं जनसंख्या वृद्धि पर अंकुश लगाना चाहिए।

गरीबी उन्मूलन एवं रोजगार सृजन के कार्यक्रम :-

1) स्वर्णजयन्ती शहरी रोजगार योजना (2) स्वर्णजयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना,
3) राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (4) राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन
5) प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (6) महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना (7) राष्ट्रीय कौशल विकास एजेन्सी

Scanned with CamScanner